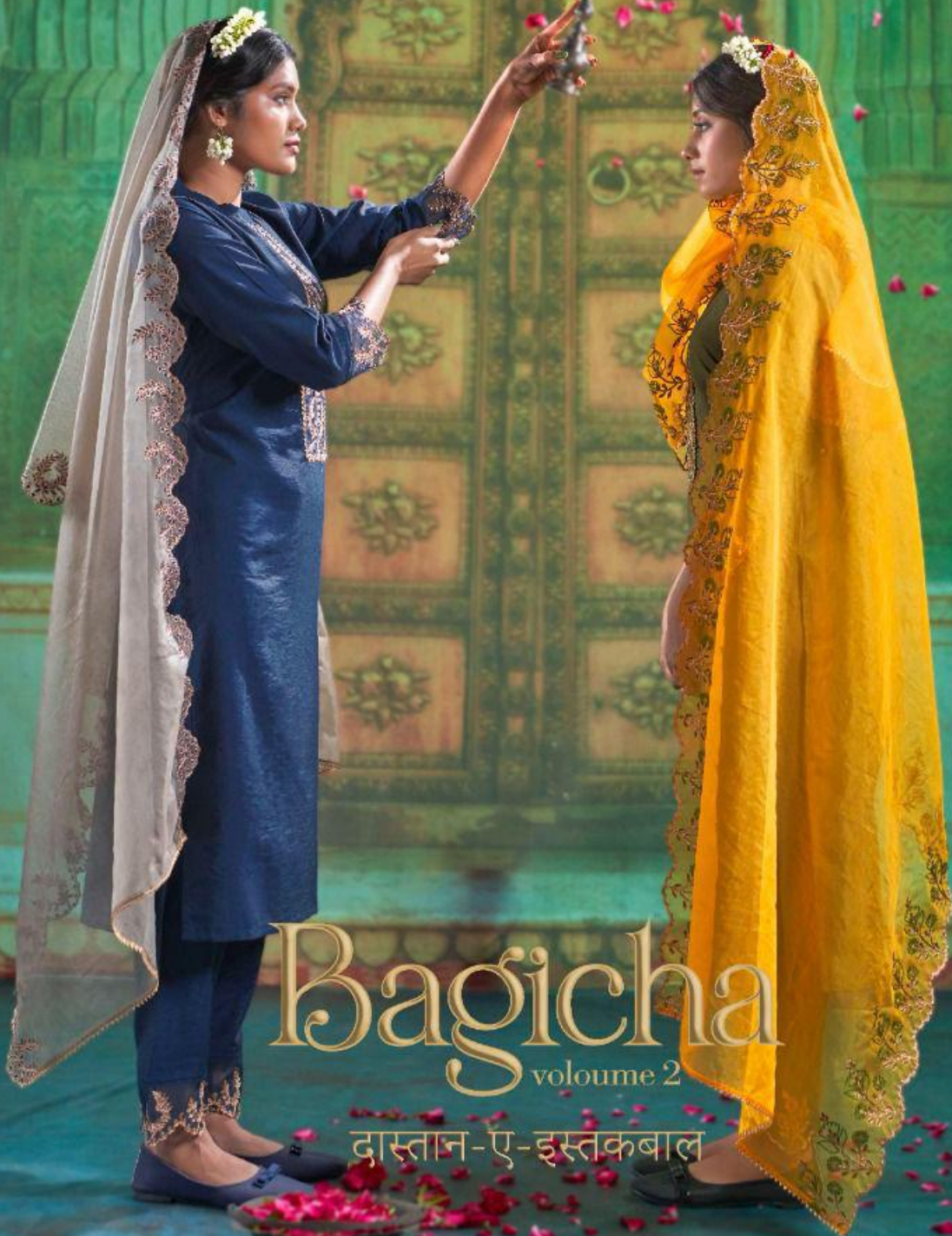




KALKI

*fashion*

INDIAN ETHNIC WEAR



Bagicha  
volume 2

दास्तान-ए-इस्तकबाल





KALKI

DESIGNER COLLECTION



K 50001

दास्तान-ए-इस्तकबाल

खुसरो रैन सुहाग की, जग्गी पी के संग  
तन मेरो मन-पियो को, दोउ भए एक रंग







KALKI

THE ART OF ELEGANCE



K 50002

## दास्तान-ए-इस्तकबाल

खुसरो रैन सुहाग की, जागी पी के संग  
तन मेरो मन पियो को, दोउ भए एक रंग





KALKI

*Fashion*

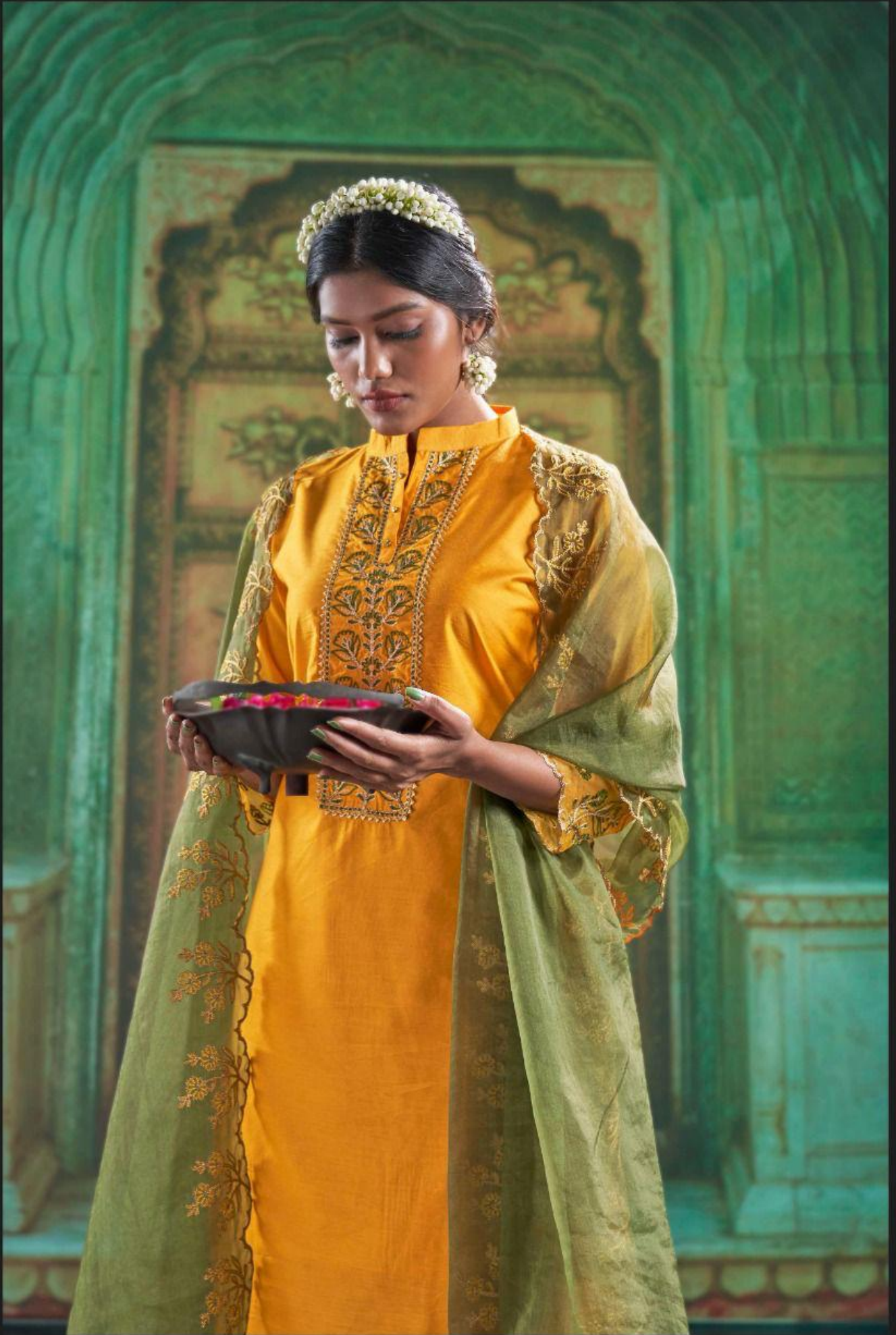
ESTABLISHED IN 1985



K 50003









K 50004



KALKI

*Handmade*  
KALKAJI



K 50005



दास्तान-ए-बुरकबाल

खोई खोई सी अखियाँ है जिसकी हूरी, जवैशु जिस्म संग हुआ है उसका नूरी  
बेपरवाह खयालों में छुपी जिसकी अद है कित्तरी, सलामी रिश्ते का गवाह है ये रंग "सिंदुरी"



KALKI

*for her*  
CLASSIC ELEGANCE



K 50006



## दास्तान-ए-इस्तक़्वाल

खोई खोई सी अंखियां है जिनकी तूरी  
माहेरु जिस्म संग हूँ है उसका नूरी  
बेपरवाह खयालों में छुपी जिसकी सदा है किमूरी,  
रुहानी रिश्ते का गवाह है ये राग "सिंदूर"



K 50001

K 50002

K 50003



K 50004

K 50005

K 50006

दास्तान-ए-इस्तकबाल

सौंदर्य ही संसार है जिधकी हूँ, मरिह किस रंग हूँ हे जलका तूरी  
केलसाह सखसो ने तुमी जिअकी अक हे किलुमी, कहांही दिले का मखद हे रे रे का "सिंदूरुं"

